संक्षिप्त समाचार

सोने-चांदी की कीमतों में हुआ बदलाव

चेक करें नए रेट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के घरेलू वायदा भाव मामूली गिरावट के साथ ट्रेड करते दिखे। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 अप्रैल 2024 की डिलीवरी वाला सोना मंगलवार सुबह 0.08 फीसदी या 55 रुपए की गिरावट के साथ 65,980 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड करता दिखा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोमवार को 24 कैरेट सोने का भाव 66,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित रहा। वैश्विक बाजार में भी मंगलवार सुबह सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।
सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी मंगलवार

सुबह गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 3 मई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 0.02 फीसदी या 13 रुपये की गिरावट के साथ 74,501 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी। हाजिर बाजार में सोमवार को चांदी की कीमतें 100 रुपए गिरकर 75,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई थीं। वैश्विक बाजार में भी मंगलवार सुबह चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

सोने-चांदी का वैश्विक भाव

सोने के वैश्विक भाव की बात करें, तो मंगलवार सुबह कॉमेक्स पर सोना 0.23 फीसदी या 5 डॉलर की गिरावट के साथ 2183.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोना हाजिर 0.22 फीसदी या 4.75 डॉलर की गिरावट के साथ 2178 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। सोने के साथ ही चांदी की वैश्विक कीमतों में भी मंगलवार को गिरावट देखने को मिली है। मंगलवार सुबह कॉमेक्स पर चांदी का भाव 0.22 फीसदी या 0.05 डॉलर की गिरावट के साथ 24.66 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी हाजिर 0.07 फीसदी या 0.02 डॉलर की गिरावट के साथ 24.45 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों का हिस्सा बढ़ा, एम्फी ने कहा- फंड की ओर रुख कर रहे निवेशक

मुंबई, एजेंसी। सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच की ओर से जारी एम्फी की रिपोर्ट में कहा गया है, 50 फीसदी महिला निवेशक 25-44 आयु वर्ग में आती हैं। व्यक्तिगत निवेशकों के कुल समूह में यह आंकड़ा 45 फीसदी है।
म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च, 2017 के 15 फीसदी से बढ़कर दिसंबर, 2023 में करीब 21 फीसदी पहुंच गई। उद्योग संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं की संख्या में वृद्धि की यह रफ्तार शहरी केंद्रों की तुलना में दूर-दराज के क्षेत्र में अधिक तेज थी। इसके साथ ही, इस साल फरवरी में म्यूचुअल फंड में प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति (एयूएम) 54 लाख करोड़ के पार पहुंच गई।

विमानन कंपनियों के शुद्ध घाटे में आ सकती है कमी

यात्रियों के बढ़ने से मिलेगी मदद

नई दिल्ली , एजेंसी। एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी इन्फ्रा सहित पांच गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने प्रमाणपत्र आरबीआई को वापस लौटा दिया है। इसके बाद केंद्रीय बैंक ने सभी का पंजीकरण रद्द कर दिया। ये कंपनियां अब कारोबार नहीं कर पाएंगी।

भारतीय विमानन कंपनियों का शुद्ध घाटा चालू वित्त वर्ष में कम होकर 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये तक रहने का अनुमान है।अगले वित्त वर्ष में भी ऐसे रुझान बने रह सकते हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को एक रिपोर्ट में कहा, यात्रियों की संख्या में अच्छी बढ़ोतरी और किराया निर्धारण के नियमों से विमानन कंपनियों को मदद मिली। घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 12.75 करोड़ होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि विमानन क्षेत्र आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियों और प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) कंपनी के इंजन से संबंधित समस्याओं से भी जूझ रहा है। रेटिंग एजेंसी का दावा है कि भारतीय विमानन कंपनियों के परिचालन में शामिल कुल बेड़े का 24-26 फीसदी हिस्सा 31 मार्च, 2024 तक उड़ान भरना बंद कर देगा।

एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी इन्फ्रा सहित पांच गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों ने प्रमाणपत्र आरबीआई को वापस लौटा दिया है। इसके बाद केंद्रीय बैंक ने सभी का पंजीकरण रद्द कर दिया। ये कंपनियां अब कारोबार नहीं कर पाएंगी। इनके अलावा, मरुधर फूड एवं क्रेडिट, क्रिएटिव इंट्रा, जिनवानी ट्रेडिंग और मंजूश्री फिनकॉर्प के साथ श्रुति फाइनेंशियल ने भी प्रमाणपत्र लौटा दिए हैं। आरबीआई ने चार और एनबीएफसी के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। इनमें निमिशा फाइनेंस, आरएमबी फाइनेंस, सुयश फिनोवेस्ट और कामधार लीजिंग हैं। पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) के बोर्ड ने सोमवार को 2023-24 के लिए तीन रुपये प्रति शेयर के तीसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी। इसके साथ, चालू वित्त वर्ष के लिए कुल अंतरिम लाभांश 10 रुपये के शेयर पर 11 रुपये है। जानकारी के अनुसार, तीसरे अंतरिम लाभांश भुगतान की रिकॉर्ड तिथि 22 मार्च, 2024 है। लाभांश भुगतान 10 अप्रैल, 2024 या उससे पहले होगा।

विमानन कंपनी इंडिगो की सूचीबद्ध मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लि. के सह संस्थापक राकेश गंगवाल ने कंपनी में थोक बिक्री के जरिये 6,785 करोड़ रुपये के शेयर सोमवार को बेच दिए।

स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी समेत कई लोगों ने कंपनी छोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक टीम के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से कंपनी छोड़ दी है। यह बदलाव कंपनी में रणनीतिक पुनर्गठन के हिस्से के तहत किया गया है। एयर कंपनी स्पाइसजेट में एक बड़े बदलाव की खबर सामने आ रही है। कंपनी मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक टीम के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से कंपनी छोड़ दी है। कंपनी के अनुसार यह बदलाव रणनीतिक पुनर्गठन के तहत किया गया है। हाल के दिनों में कंपनी के राजस्व और लोड फैक्टर

में लगातार और महत्वपूर्ण वृद्धि देखी जा रही है। हाल ही में फंड जुटाने के साथ, स्पाइसजेट ने पूर्व के सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी क्षमता बढ़ाने, तेजी से बढ़ने और भारतीय विमानन क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। इसके तहत कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं।
स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एयरलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी अरुण कश्यप और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने अपना इस्तीफा दे दिया है।
एयरलाइन के प्रवक्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा,
% स्पाइसजेट के रणनीतिक पुनर्गठन के तहत मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है।

हल्की बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार

सेंसेक्स 42 और निफ्टी 6 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला है। बीते दिन बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था।

आज सेंसेक्स 42.52 अंक या 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,545.16 अंक पर खुला। निफ्टी 6.90 अंक या 0.03 प्रतिशत चढ़कर 22,339.60 अंक पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी पर अदाणी पोर्ट्स, बीपीसीएल, टीसीएस, इंफोसिस और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि आईटीसी, नेस्ले, ब्रिटानिया, एचयूएल और एचडीएफसी लाइफ लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं।

सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो और भारती एयरटेल के शेयर में तेजी देखने को मिली है। आईटीसी, नेस्ले, जेएसडब्ल्यू स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और टाटा स्टील के शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहा है।

एशियाई बाजारों में, हांगकांग और सियोल उच्च स्तर पर कारोबार कर रहे थे, जबकि टोक्यो और शंघाई नकारात्मक क्षेत्र में थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए।

वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.35 प्रतिशत उछलकर 82.50 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,212.76 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

आज डॉलर के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रही है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में रुपया ग्रीनबैक के मुकाबले 82.74 पर खुला, फिर 82.72 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 3 पैसे की वृद्धि दर्शाता है। सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे की गिरावट के साथ 82.75 पर बंद हुआ।

आईटीसी के शेयर में गिरावट, 400 से नीचे लुढ़का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीसी लिमिटेड के शेयरों में आज 12 मार्च को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और शेयर का भाव 2.5 प्रतिशत टूटकर 400 रुपए के नीचे चला गया। इस गिरावट के साथ ही कंपनी के शेयर अब अपने 499.7 रुपए के शिखर से करीब 20 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे हैं। बैट ने यह स्तर पिछले साल 24 जुलाई को छुआ था। सूत्रों के अनुसार, बैट की सबसे बड़ी शेयरधारक ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको इस सप्ताह कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी कर रही है।
दिसंबर तिमाही तक के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार बैट के पास फिलहाल बैट में 29 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बैट ने फरवरी में कहा था कि बैट में उसकी अहम हिस्सेदारी है और यह कुछ पूंजी को जुटाने और उन्हें दूसरे जगहों पर लगाने का एक मौका हो सकता है। बैट बैट ने बताया, हम अपनी कुछ हिस्सेदारी को बेचने के लिए जरूरी नियामकीय प्रक्रियाओं को पूरा करने में लगे हैं और इस बारे में जल्द से जल्द से अपडेट करेंगे।
आईटीसी करीब 1900 के दशक की शुरुआत से ही किसी न किसी तरह से आईटीसी में शेयरधारक रहा है और इस दौरान इसने कई शेयर कैपिटल से जुड़े कई बदलावों और नियामकीय प्रतिबंधों को देखा है। ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने 29 फरवरी को एक रिपोर्ट में कहा था कि शॉर्ट-टर्म में कमोजर अर्निंग्स का अनुमान और बैट की ओर से हिस्सेदारी बेचने की खबर, आईटीसी के शेयरों में आई हालिया गिरावट के प्रमुख कारण है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान कंपनी की सिगरेट बिक्री में सुधार हो सकता है लेकिन कागजी कारोबार में निकट अवधि की आय में गिरावट हो सकती है। ब्रोकरेज ने कहा कि आय में संभावित रिकवरी के वित्त वर्ष 2025 की सितंबर तिमाही तक आने की संभावना है।

म्यूचुअल फंड में महिलाएं कर रही जमकर निवेश, 21 प्रतिशत बढ़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च, 2017 में 15 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर, 2023 में लगभग 21 प्रतिशत हो गई है। उद्योग संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इस साल फरवरी में म्यूचुअल फंड में प्रबंधन के तहत कुल संपत्ति (एयूएम) 50 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई। बड़ी संख्या में निवेशक बचत करने और कमाई बढ़ाने के लिए म्यूचुअल फंड की ओर आ रहे हैं।

आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च, 2017 में 15 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर, 2023 में लगभग 21 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान वृद्धि की यह गति शहरी केंद्रों की तुलना में दूर-दराज के क्षेत्र में अधिक तेज थी। एम्फी के लिए क्रिसिल द्वारा तैयार और सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच द्वारा

जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग 50 प्रतिशत महिला निवेशक 25-44 आयु वर्ग में आती हैं, जबकि व्यक्तिगत निवेशकों के कुल समूह में यह आंकड़ा लगभग 45 प्रतिशत है। म्यूचुअल फंड उद्योग में महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40 प्रतिशत गोवा में है। इसके बाद पूर्वोत्तर राज्य 30 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चंडीगढ़, महाराष्ट्र और नई दिल्ली में भी प्रबंधन के अधीन संपत्तियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है। अधिकतर महिला एमएफ निवेशक नियमित योजना मार्ग के माध्यम से निवेश करना जारी रखते हैं और म्यूचुअल फंड वितरक के माध्यम से निवेश करने पर लंबे समय तक निवेशित रहते हैं। महिला म्यूचुअल फंड वितरकों की संख्या भी बढ़ी है। दिसंबर, 2023 तक यह संख्या 42,000 अंक के करीब थी और उनकी कुल प्रबंधन अधीन संपत्ति एक लाख करोड़ रुपए से अधिक थी।

सीग्राम के रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का सीज़न 2

संगीतकार अरमान मलिक, डिनो जेम्स, निखिता गांधी और अली मर्चेंट के साथ इंदौर, मध्य प्रदेश में एक शानदार ऑन-ग्राउंड अनुभव से शुरू हुआ

सागर, एजेंसी। 'लिविंग इट लार्ज' की भावना के साथ सीग्राम का रॉयल स्टैग अपनी तरह के खास म्यूजिक फेस्टिवल, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स का दूसरा संस्करण पेश कर रहा है, जिसमें बॉलीवुड की सबसे

पसंदीदा धुनों और हिप-हॉप का बेहतरीन मिश्रण है। इस साल इस म्यूजिकल अनुभव के पहले ऑन-ग्राउंड अनुभव का आयोजन 2 मार्च, 2024 को इंदौर, मध्य प्रदेश में हुआ। यह शहर तब जीवंत हो उठा, जब रॉयल स्टैग बूमबॉक्स में संगीत उद्योग के विपरीत ध्रुव एक नया संगीत, एक नया साउंडस्केप बनाने के लिए एक साथ आए।लगभग 10,000 उत्साहित दर्शकों के साथ इंदौर में रॉयल स्टैग बूमबॉक्स की युवा ऊर्जा की लहर दौड़ गई। आयोजन स्थल (वेल्वेट गार्डन) जीवंत रंगों और ध्वनियों से जगमगा रहा था। आगंतुकों को एक ही छत के नीचे संस्कृति, व्यापार, भोजन और अनेक इंटरैक्टिव अनुभवों का आनंद मिल रहा था। यह अवसर स्पष्ट रूप से युवा माहौल में डूबा हुआ था, जो इस शहर की जीवंत भावना को प्रतिध्वनित कर रहा था, और एक साल पहले शहर में रॉयल स्टैग बूमबॉक्स के पहले ऑन-ग्राउंड अनुभव की यादें ताजा कर रहा था। इस शाम का समाँ मुख्य कार्यक्रमों के साथ अनेक आकर्षक प्रदर्शनों ने बांध दिया, जिनमें स्थानीय बैंड, डांसर, फ्लिपर्स और बीटबॉक्सर्स के प्रदर्शन शामिल थे। शाम होते-होते मंच को अली मर्चेंट ने संभाल लिया, और अपने मैशअप्स से उत्सव की आधिकारिक शुरुआत की। इसके बाद रैपर डिनो जेम्स ने हिप-हॉप की लहर से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। रात होते-होते गायिका निखिता गांधी की मनमोहक धुनें मंच पर छा गईं। इस कार्यक्रम का समापन अरमान मलिक के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने यहाँ उपस्थित सभी लोगों को एक यादगार अनुभव प्रदान किया।

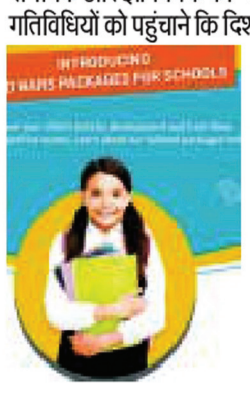

राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं कि मदद से माइंड वॉर्स ने बदला ज्ञान प्राप्ति का परिदृश्य

मुंबइ, एजेंसी। शिक्षा को और रोमांचकारी और दिलचस्प बनाने के लिए प्रतिबद्ध भारत के सबसे बड़े एडयूटेनमेंट प्लेटफार्म माइंड वॉर्स ने देशभर के सभी स्कूल और उनके छात्रों तक अपने रोमांचक और ज्ञानवर्धक को-करीकुलर गतिविधियों को पहुंचाने कि दिशा में एक बड़ा और

महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे उनके शैक्षणिक ज्ञान में वृद्धि हो सके। अपने स्किल्स को बढ़ाने और सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए ज़रूरी सभी संसाधन माइंड वॉर्स द्वारा एक ही स्थान पर प्रदान किए जा रहे हैं। माइंड वॉर्स द्वारा प्रस्तुत कुछ ख़ास प्रतियोगिताएं छात्रों को ना सिर्फ प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करती हैं, बल्कि समस्याओं को सुलझाने, विभिन्न विषयों पर गहरी समझ विकसित करने और बाहरी दुनिया कि चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्हें बेहतर तरीके से तैयार करती हैं।

कोरकू में पढ़ाई के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लांच किये प्राइमर

भोपाल, एजेंसी। शिक्षा के प्रारंभिक चरण में विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषाओं में शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने और उन्हें अपनी भाषा में अध्ययन करने का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय भाषाओं के 52 प्राइमर लांच किये हैं। इनमें मध्य प्रदेश की एक भाषा का प्राइमर शामिल है। इन प्राइमरों का उद्देश्य न केवल पढ़ने और लिखने में भाषा दक्षता प्रदान करना है, बल्कि प्रारंभिक चरण के शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना भी है। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ये प्राइमर लांच किये।

मध्य प्रदेश के लिए कोरकू का प्राइमर तैयार किया गया है। प्रदेश के दक्षिण मध्य जिलों खंडवा, बुरहानपुर, बैतुल, हरदा, छिंदवाड़ा और होशंगाबाद जिलों में रहने वाली कोरकू जनजाति द्वारा यह भाषा बोली जाती है। शिक्षा मंत्रालय की पहल पर एनसीआरटी ने 17 राज्यों की 52 स्थानीय भाषाओं में प्राइमर तैयार किये हैं। इनमें आदिवासियों द्वारा बोली जाने वाली और स्थानीय स्तर पर प्रचलित भाषाओं को शामिल किया गया है। खरिया जनजाति की मातृभाषा खरिया, मुंडा की मुंडारी और उरांव की कुड़ुख है। श्री प्रधान ने इस अवसर पर कहा, नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में भारतीय भाषाओं में शिक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। स्थानीय भाषा में पठन-पाठन से बच्चों में विषय के प्रति स्पष्टता बढ़ेगी। सरकार की यह पहल भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में गेमचेंजर साबित होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी यह महत्वपूर्ण कदम होगा।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित ये प्राइमर किसी भाषा की वर्णमाला के अक्षरों व प्रतीकों का उच्चारण करने, पहचानने और समझने की कुंजी के रूप में कार्य करेगा। यह बच्चों को इन अक्षरों के एक या अधिक सेटों के संयोजन से बने अर्थों से भी परिचित कराता है। आमतौर पर बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा की शुरुआत उनकी स्थानीय भाषा से होती है। स्कूल जाने के पश्चात उन्हें हिंदी या राज्य की प्रमुख भाषा में पढ़ाई करनी पड़ती है। ऐसे में उन्हें शुरुआत में ही दिक्कत का सामना करना पड़ता है। श्री प्रधान का मानना है कि स्कूल में भी उन्हें उनकी अपनी भाषा में समझने की सहूलियत होने से मूल विषयों के प्रति उनकी समझ और बढ़ेगी। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पढ़ाई में ये प्राइमर बेहद सहायक साबित होंगे।